

‘युवा कभी सपने देखना बंद नहीं करें’ एक्सिओम -4 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हार्मनी मॉड्यूल से भारतीय समयानुसार शाम साढ़े चार बजे धीरे-धीरे जुड़ गया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इसकी पुष्टि की है। ग्रुप कैप्टन शुक्ला इस मिशन के पायलट हैं। इस मिशन ने कल फ्लोरिडा में नासा के केंनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। मिशन में ग्रुप कैप्टन शुक्ला के साथ पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन,पोलैड के स्लाबोज उज्जान्स्की-विस्निएव्स्की और हंगरी के टिबोर कपू गये हैं। शुक्ला ने अंतरिक्ष से दिल को छू लेने वाला संदेश भेजा जिसने लाखों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने संदेश में उन्होंने कहा “आप सभी को अंतरिक्ष से नमस्कार ! मैं यहां बिल्कुल बच्चे की तरह सब कुछ सीख रहा हूं।” भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम पर बारीकी से नजर रखने वाले वैज्ञानिक डॉ। आर सी कपूर ने कहा कि डॉकिंग एक नाजुक ऑपरेशन है।

अक्टूबर-नवम्बर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करोड़ की परियोजनाओं की शुरुआत की, जिनमें वंदे भारत ट्रेन और निर्यात-योग्य लोकोमोटिव शामिल हैं। इसे एनडीए की चुनौती तैयारी का हिस्सा माना जा रहा है।

उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल पर डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया और भाजपा को सामाजिक न्याय के पक्षधर के रूप में प्रस्तुत किया। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव की कथित गड़बड़ियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि भाजपा बिहार में चुनावी “मैच-फिक्सिंग” की कोशिश कर सकती है।

अलीनगर से भाजपा विधायक मिश्री लाल यादव को 2019 के एक हमले के मामले में दोषी पाए जाने पर 20 जून को अयोग्य घोषित कर दिया

‘अगले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ट्रंप के दावे की ओर अधिक विस्तार के साथ सामने रखा। रूबियो ने कहा कि एक “कन्वर्जन सुविधा” – जो परमाणु ईंधन को उस रूप में बदलने के लिए अति महत्वपूर्ण होती है, जो रूप परमाणु हथियार बनाने के लिये जरूरी है, नष्ट कर दी गई है। इजरायल ने भी ट्रंप के दावों का समर्थन करते हुए एक बयान जारी किया।

सैटेलाइट तस्वीरों में भारी तबाही देखी जा सकती है, लेकिन उस स्थल पर या किसी अन्य स्थान पर उसके फिर से निर्माण में कितना समय और संसाधन लगेंगे, यह जान पाना तब तक असंभव है, जब तक कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु निरीक्षकों को वहां पहुंचने की अनुमति नहीं दी जाती।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूर भले ही हो गए हों, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने मुख्य मंच की जगह कीबोर्ड को चुन लिया है और डिजिटल विद्रोही बन गए हैं तथा ईरान की “जीत” पर गर्व करते हुए, वाई-फाई की मदद से “एक्स” पर तीखी प्रतिक्रियाएँ दे रहे हैं। खामनेई ने गुरुवार को लिखा, “इस्लामिक गणराज्य ने अमेरिका के गाल पर एक जोरदार तमाचा मारा। ईरान ने अल-उदीद एयर बेस पर हमला किया और उसे नुकसान पहुँचाया, जो इस क्षेत्र में एक प्रमुख अमेरिकी बेस है।” सर्वोच्च नेता ने ईरान के आम नागरिकों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा, “यह तथ्य काफी महत्वपूर्ण है कि इस्लामिक गणराज्य की इस क्षेत्र के अमेरिकी केंद्रों तक पहुँच है और जब भी इसे आवश्यक लगेगा, कार्रवाई कर सकता है। ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी दोहराई जा सकती है। यदि कोई आक्रमण होता है, तो दुश्मन को उसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।”

उन्होंने लिखा, “हमारे प्यारे ईरान की अमेरिकी सत्ता पर जीत के लिए मेरी बधाई।” “अमेरिकी शासन सीधे ही युद्ध में इसलिए उतरा, क्योंकि उसे लगा कि अगर वह ऐसा नहीं करेगा, तो यहूदी राज पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। वह युद्ध में यहूदी राज को बचाने के प्रयास में उतरा था, लेकिन कुछ हासिल नहीं कर सका।” आक्रामक स्वर को जारी रखते हुए, उन्होंने आगे कहा, “उस सारी हलचल और सभी दावों के साथ, यहूदी राज को व्यावहारिक रूप से इस्लामिक गणराज्य के प्रहारों ने हरा दिया और कुचल दिया।” उन्होंने एक

पोस्ट की शुरुआत करते हुए देशवासियों को “अनैतिक यहूदी शासन पर विजय” की बधाई दी।

खामनेई के ये ऑनलाइन बयान एक नाजुक और विवादास्पद युद्ध विराम के बीच सामने आए हैं, जिसकी मध्यस्थता अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने की, एक ऐसी उथल-पुथल के बाद, जिसमें इजरायली और अमेरिकी सेनाओं ने मिलकर ईरान के तीन प्रमुख परमाणु केंद्रों पर बमबारी की थी। ईरान ने कतर में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइल हमला करके उसका जवाब दिया, जिसे तेहरान ने एक सफल प्रतियोग के रूप में सराहा। हालांकि ईरानी नेता की ऑनलाइन बयानबाजी जोरों पर है, लेकिन वे सार्वजनिक परिदृश्य से गायब हैं। सरकारी मीडिया ने युद्ध की शुरुआत के बाद से उनकी कोई भी तस्वीर या फुटेज जारी नहीं की है। “रॉयटर्स” के अनुसार, खामनेई के करीबी अधिकारियों का कहना है कि उन्हें एक गुप्त भूमिगत बंकर में ले जाया गया है और वे संभावित हत्या के प्रयासों से बचने के लिए इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दूरी बनाये हुये हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कथित रूप से इस संभावना को खारिज नहीं किया है कि खामनेई को निशाना बनाया जा सकता है, जबकि ट्रंप ने कथित रूप से, ऐसा कदम न उठाने की सलाह दी थी। जैसा कि न्यूयॉर्क टाइम्स ने रिपोर्ट किया है।

रिपोर्टों के अनुसार, ईरानी सरकार के शीर्ष अधिकारी भी सर्वोच्च नेता से सीधे संपर्क नहीं कर पा रहे हैं।

मंगलवार को, ईरान के सरकारी टेलीविजन पर एक प्राइम टाइम इन्टरव्यू के दौरान, एक एंकर ने खामनेई के कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी मेहदी फाजेली से उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछा, “लोग सर्वोच्च नेता के बारे में बहुत चिंतित हैं। क्या आप हमें बता सकते हैं कि वे कैसे हैं?” एंकर ने पूछा। फाजेली ने प्रश्न को टालते हुए केवल इतना कहा, “हमें सभी को प्रार्थना करनी चाहिए। जिन लोगों को सर्वोच्च नेता की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है, वे अपना काम कर रहे हैं।” तेहरान में सप्ताहांत के दौरान, अमेरिका और इजरायल विरोधी प्रदर्शनों में महिलाएं खामनेई की तस्वीरें लिये हुये दिखाई दीं।

उनके समर्थन का यह प्रदर्शन उनकी अनुपस्थिति के बावजूद हुआ, और खामनेई की ओर से उन्हें ऐसा कोई संदेश या सीधा मार्गदर्शन नहीं मिला था।

ईरानी अखबारों ने भी चिंता जतानी शुरू कर दी है। दैनिक “खानेमेन” के संपादक मोहसिन खलीफेह ने कहा, “उनकी (खामनेई) कई दिनों की अनुपस्थिति ने हम सभी को, जो उन्हें प्यार करते हैं, बहुत चिंतित कर दिया है।” उन्होंने आगे कहा, “आर खामनेई मर चुके होते, तो उनका अंतिम संस्कार बहुत शानदार और ऐतिहासिक होता।”

“रॉयटर्स” के अनुसार, बढ़ते हुए असमंजस की ओर बढ़ाते हुए, खामनेई द्वारा बनाई गई तीन घर्मगुरुओं की कमेटी, जिसे उनका उत्तराधिकारी चिन्हित करना था, ने भी अपने काम की गति तेज कर दी है।

ईरान के एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी

मुख्यमंत्री भजनलाल ने आईआईटी जोधपुर के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को पदक दिये



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को आई.आई.टी. जोधपुर के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

जोधपुर/जयपुर, 26 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला मील का पत्थर है। यहां से निकलने वाले स्नातक वह युवाशक्ति हैं, जो विकसित भारत-विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने युवाओं से आ न किया कि वे कभी सीखना बंद न करें, कभी सपने देखना बंद न करें तथा अपने हर निर्णय में ‘भारत प्रथम’ की भावना को अपनाएं।

■ मुख्यमंत्री ने कहा कि आईआईटी जोधपुर मरुधरा की धरती पर चमकता हुआ मोती है।

शर्मा गुरुवार को जोधपुर में आईआईटी, जोधपुर के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा पदक विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि आपने कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण से शिक्षा पूरी कर माता-पिता के साथ समाज का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि आईआईटी जोधपुर मरुधरा की इस धरती में एक चमकता

हुआ मोती है जो पूरे भारतवर्ष में अपनी चमक बिखेर रहा है।

इस अवसर पर आईआईटी जोधपुर के अभिशासक मंडल अध्यक्ष ए.एस. किरण कुमार ने कहा कि आईआईटी जोधपुर भारतीय उच्च शिक्षा में नवाचार और उत्कृष्टता का केन्द्र है। आज यहां से उपाधि प्राप्त स्नातक विद्यार्थियों के लिए देश एवं विश्व में रोजगार के अपार अवसर मिलेंगे।

कार्यक्रम में प्लाक्षा विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के कुलपति प्रो. रूद्रप्रताप ने स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आप केवल डिग्रीधारी नहीं, भारत के भविष्य निर्माता भी हैं।

मुख्यमंत्री ने आईआईटी जोधपुर संस्थान से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की। साथ ही, संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में स्वर्ण पदक एवं पुरस्कार प्रदान किए।

भारत व अमेरिका में ताबड़तोड़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपायों की गंभीर समीक्षा जरूरी है। ऐसे मुद्दे अक्सर मुक्त व्यापार समझौतों को लंबा खींच देते हैं। जैसे जापान के साथ भारत की व्यापार वार्ता में, जापान ने अपने कृषि उत्पादों पर कोई रियायत देने से इनकार कर दिया था, जिससे पूरी बातचीत टूटने के कगार पर पहुँच गई थी। जापान का तर्क था कि वे केवल जापानी किस्म के चिपचिपे चावल का ही सेवन करते हैं, जो भारत में उत्पादित नहीं होता। कई अन्य कृषि उत्पाद भी अड़चन बने थे। एक और महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि कई देश केवल माल को अन्य जगह पहुँचाने का जरिया बनकर रह जाते हैं। चीनी उत्पाद नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश करते हैं, क्योंकि भारत और नेपाल के बीच व्यापार पर कोई शुल्क नहीं है। वरना इन चीनी उत्पादों

■ पर, भारत को आत्मसम्मान से ज्यादा अभी “सर्विस सेंक्टर” जिसमें आईटी सेवा भी शामिल है, पर, भारी टैरिफ लगाए जाने के जोखिम से बचना चाहिए। क्योंकि, यह “सर्विस सेंक्टर” ही भारत के अमेरिका को निर्यात का सबसे बड़ा हिस्सा है, उसमें थोड़ा भी नुकसान हुआ, तो भारत को बहुत भारी पड़ेगा।

पर भारत में प्रवेश के समय भारी शुल्क लगाया जाता। इसलिए, वार्ताकारों को उस माल, जिसका व्यापार होता है, पर स्थानीयता के मानक तय करने होते हैं। कहीं यह 80 प्रतिशत तक होता है, तो कहीं केवल 30 प्रतिशत। मैक्सिको और अमेरिका के बीच एक बड़ा विवाद इसी मुद्दे पर है, अमेरिका ने आरोप लगाया कि मैक्सिको को चीन अमेरिका से अपने माल का ट्रांजिट पॉइंट बना रहा है, इन उत्पादों में कोई मैक्सिकन सामग्री

नहीं है। लेकिन ट्रैंसिप्रोकल टैरिफ टालने के लिए वर्तमान व्यापार वार्ताएँ बंदूक की नोक पर वार्ता जैसी हो गई हैं। बहुत से बारीक और गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है, जो भविष्य में बड़े विवाद को जन्म दे सकते हैं।

भारत और अमेरिका के बीच माल व्यापार दोनों देशों की समग्र अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बहुत बड़ा नहीं है। हालाँकि कुछ क्षेत्रों के लिए यह महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन समग्र

रूप में इसका दोनों देशों के लिए बहुत बड़ा आर्थिक प्रभाव नहीं है। भारत के लिए जो क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, वह है सेवा व्यापार (सर्विस ट्रेड)। भारत का आईटी और आईटी-सेवा क्षेत्र अपने अस्तित्व के लिए अमेरिका पर निर्भर है। हमारे अधिकतर सॉफ्टवेयर और उनसे संबंधित सेवाएँ अमेरिका को निर्यात होते हैं, और इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की रोक भारत के लिए गंभीर संकट खड़ा कर सकती है। वर्तमान वार्ताओं में ध्यान मुख्य रूप से माल व्यापार पर है और सेवा व्यापार को ज्यादा नहीं छेड़ा जा रहा है। इसलिए भारत को चाहिए कि वह सेवा क्षेत्र को लेकर विशेष सावधानी बरते। भले ही कुछ रियायतें देनी पड़ें, लेकिन वर्तमान स्तर को बनाए रखना और, संभव हो तो, आगे बढ़ाना, भारत के लिए बेहद जरूरी है।

MARUTI SUZUKI

TIME TO INDULGE CONSCIOUSLY WITH

S-CNG

DRIVE SMART. CHOOSE GREEN.

CREATE. INSPIRE.

THE ALL-NEW

XLE6

TIME TO INDULGE

Factory-fitted CNG

Multi-information Display
(Dedicated CNG Fuel Gauge)

Captain Seats

Quad Airbags

Suzuki Connect

3 years

100 000 km

WARRANTY*

EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

BENEFITS UP TO ₹ 25 000**

SCRAPPAGE BONUS AVAILABLE AGAINST VALID CERTIFICATE OF DEPOSIT.

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY @
WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

Contact us at

1800-200-[6392]

1800-102-[6392]

Creative visualization. **All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers may vary subject to the model and variant purchased and shall be applicable till stock lasts. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. *3 years or 100 000 km whichever is earlier.